सं श्रो वि । एफ बी । 246-85/24444. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं हिरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर-16, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मदन, मार्फत श्रो मोहित कुमार भण्डारी, मकान इं 360 सैक्टर-19, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद हैं;

श्रीर मूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियन, 1947 को धारा 10 को उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं० 11495 जी-अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गटित अम न्यायालय, फरीदाबाद को बिबादफस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायालयं एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निविंध्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादफ्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबन्धित मामला है:—

क्या श्री मदन की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वहू किस राहत का हकदार है ? सं श्रो शिव / एफ ॰ डी ॰ / 246-85/24451. — चूं कि हिरयाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ॰ हिरयाणा शहरी विकास श्रोधिकरण, सैक्टर-16, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राजवीर सिंह, मार्फत श्री मोहित कुमार भण्डारी, मकान नं. 360, सैक्टर-19, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते ह ;

इस्लिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सहकारी श्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रशीन गटित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में दैने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से स्संगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

न्या श्री राजबीर सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? सं० श्रो० वि० /एफ्०डी०/246-85/24458--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर 16, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री नानू, मार्फत श्री मोहित कुमार भण्डारी, मकान नं० 360, सैक्टर 19, फरीदाबाद तथा उसके प्रवत्यकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाण। के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री नान की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं शे विव /एफ़ डी ० 246-85/24465.--चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ० हरियाणा शहरी विकास, प्राधिकरण, सैक्टर-16, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री सुरेश कुमार, मार्फत श्री मोहित कुमार भण्डरी, मकान नं ० 360, सैक्टर 19, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं 5415-3-श्रम-68/15254, दिनाक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रिधिसूचना सं 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिन्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है :—

पया श्री सुरेश कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो बह किस राहत का हकदार है ?